समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

आज़म खान को दो साल बाद रिहाई, BSP मे शामिल होने की अटकलों को सपा नेताओं ने बताया अफवाह

Sanket Morankar Published on 23 Sep 2025

सपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आज़म खान को दो साल बाद सीतापुर जेल से रिहा कर दिया गया है। उनकी रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ गई, लेकिन उनके BSP में शामिल होने की चर्चाओं को सपा नेताओं ने अफवाह करार दिया। शिवपाल यादव और अखिलेश यादव ने साफ किया कि आज़म खान सपा के महत्वपूर्ण नेता हैं और उनकी राजनीतिक प्राथमिकता सपा के साथ ही रहेगी।

आज़म खान की रिहाई के बाद मीडिया और सोशल मीडिया में यह चर्चा तेज हो गई थी कि वह आगामी चुनावों से पहले BSP में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, सपा के वरिष्ठ नेताओं ने इसे केवल अटकलें बताते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी तरह का ऐसा कदम अभी नहीं उठाया गया है।

रिहाई के बाद आज़म खान ने अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं और सपा के साथ अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे। उनकी इस प्रतिक्रिया से यह साफ हो गया कि BSP में शामिल होने की खबरों में कोई आधार नहीं है।

विश्लेषकों का कहना है कि आज़म खान की रिहाई और उनके राजनीतिक कदम आगामी विधानसभा चुनाव में सपा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उनकी लोकप्रियता खासकर मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग वोटबैंक में मजबूत है, जो सपा के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है।

सपा के प्रमुख नेताओं ने भी जोर दिया कि पार्टी का संगठन और नेतृत्व मजबूत है और सभी नेता मिलकर आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि अटकलें और अफवाहें सपा की कार्यप्रणाली को प्रभावित नहीं कर सकती।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आज़म खान की रिहाई से सपा को नए जोश और ताकत मिली है। यह कदम पार्टी के

अंदरूनी लोकतंत्र और नेतृत्व की स्थिरता को भी दर्शाता है। इसके साथ ही बीजेपी और अन्य राजनीतिक दलों के लिए यह चुनौती भी बढ़ाता है कि सपा के नेता चुनावी रणनीति में फिर से सक्रिय हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश की सियासत में आज़म खान की वापसी कई महीनों से प्रतीक्षित थी। उनकी जेल से रिहाई न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सपा के लिए भी चुनावी मजबूती का संकेत है। उनके समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उत्साह से उन्हें स्वागत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि BSP में शामिल होने की अटकलों के बावजूद आज़म खान सपा के प्रति प्रतिबद्ध बने हुए हैं। उनकी राजनीतिक सक्रियता और नेतृत्व क्षमता आगामी चुनाव में सपा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.